# <u>प्रेस नोट</u>

## प्रशासक ने दीव के विकास हेतु अलग-अलग एजेंसियों के साथ की अहम बैठक
## पावर पोईंट प्रजेंटेशन के माध्यम से एजेंसियो ने रखे कई अहम प्लान एवं सुझाव
## भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग करेगा दीव किला का संरक्षण

**दीव, 17 जनवरी, 2020 :-** संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली तथा दमण एवं दीव के माननीय प्रशासक श्री प्रफुलभाई पटेल अपने दीव दौरे में आज राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान तथा प्रशासन के अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की । इस बैठक में दीव में बनाए जानेवाले ओशिनेरियम पर चर्चा की गई। बैठक में राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान के अधिकारियों ने प्रशासक के समक्ष प्रजेटेंशन के माध्यम से ओशिनेरियम की रूपरेखा प्रस्तुत की । बैठक के बाद माननीय प्रशासक ने भारत के 100 आदर्श स्मारकों में शामिल दीव किला के सरंक्षण को लेकर भारतीय पूरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया । दीव जेल को गुजरात के अमरेली स्थानान्तरण किए जाने के बाद जेल वाली जगह को पूर्ण रूप से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को सौंपे जाने पर भी निर्णय लिया गया ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज ही दीव स्मार्ट सीटी लिमिटेड की वार्षिक सामान्य बैठक हुई जिसमें माननीय प्रशासक ने स्मार्ट सीटी के विकास संबंधी परियोजनओं पर विस्तार से चर्चा की। स्मार्ट सीटी लिमिटेड के अधिकारियों ने पावर पोईट प्रजेटेशन प्रस्तुत किया । पावर पोईट प्रजेंटशन के माध्यम से स्मार्ट सीटी की रूपरेखा प्रस्तुत की गई । प्रशासक महोदय ने कहा कि स्मार्ट सीटी हेतु बनाए जानेवाली योजनाओं में स्मार्ट सीटी के लिए निर्धारित मानदंडों को निश्चित रूप से पालन किया जाए । प्रशासक ने कहा कि आनेवाले सालों में दीव कैसा हो इसे ध्यान में रखते हुए दीव का विकास किया जाए । माननीय प्रशासक का मुख्य ध्यान दीव को विश्व स्तरीय पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने का है । इसी को केन्द्र में रखकर प्रशासक महोदय विभिन्न एजेंसियों के साथ बैठकें कर रहे हैं और सुझाव प्राप्त कर रहें । आज पावर पोईंट प्रजेंटेशन का मुख्य उददेश्य भी यही था।

प्रशासक महोदय नायड़ा की गुफा गए । ध्यातव्य हो कि हाल ही में नायड़ा गुफा में उपर से कुछ चट्टाने टूट कर गिर गईं थीं । प्रशासक ने गुफा के उक्त स्थल पर अभियंताओं और विशेषज्ञों से बात की और भविष्य में किसी भी प्रकार की जानमाल की हानि न हो उसके लिए प्राधिकारियों को उचित कदम उठाने के निर्देश दिए । नायड़ा गुफा के प्रवेश द्वार को लोगों की सुविधा को ध्यान में रखकर परिवर्तन करने का सुझाव दिया । उन्होंने कहा कि यह दीव के लिए एक उत्तम पर्यटक स्थल है, इसका संरक्षण करना हमारा दायित्व बनता है ।